ॐ

अखिल विश्व हिन्दी समिति

Akhil Vishva Hindi Samiti

www.AkhilVishvaHindiSamiti.com
Phone: 416 505 8873, info@AkhilVishvaHindiSamiti.com
44 Barford Road, Toronto, On., M9W 4H4, Canada

अखिल विश्व हिन्दी समिति, टोरोंटो का 'विश्व कवि सम्मलेन'

अखिल विश्व हिन्दी समिति, टोरोंटो का चतुर्थ वार्षिक अधिवेशन व 'विश्व कवि सम्मलेन' शनिवार, २९ जून, २०१३ को टोरोंटो पब्लिक लाइब्रेरी की बारबरा फ्रम शाखा के सभागार में भारत से आये अखिल विश्व हिन्दी समिति के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दाऊजी गुप्त की अध्यक्षता, श्री सागर पंडित की सह- अध्यक्षता, श्री श्याम त्रिपाठी के सञ्चालन व श्री गोपाल बघेल मधु के आतिथेय में दोपहर १२ से सायं ५ बजे तक आयोजित किया गया । अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी समिति, न्यू जर्सी, सं. रा. अमरीका के श्री रामबाबू गौतम व भारतीय कौंसलावास के श्री रणजीत सिंह जी विशिष्ट अतिथि थे ।

सम्मलेन का आरम्भ श्रीमती वनीता सेठ व श्री गोपाल बघेल द्वारा 'या कुंदेंदु तुषार हार धवला' व आ. परिनिर्वाणानन्द व श्री गोपाल बघेल द्वारा 'संग्छध्वं सम्बदध्वं' की वंदना से हुआ । इसके उपरान्त २६ कवियों ने अपनी मार्मिक व मंत्रमुग्ध करने वाली रचनाएँ सुनाकर श्रोताओं का हृदय तरंगित किया । समय की सीमा रही व श्रोता व कवि गण और भी रचनाएँ सुनने सुनाने के लिये अंत तक उत्सुक रहे ।

प्रमुख कवि थे सर्व श्री दाऊ जी गुप्त, प्रेम सागर पंडित, रामबाबू गौतम, श्याम त्रिपाठी, भारतेंदु श्रीवास्तव, डॉ. देवेन्द्र मिश्र, आचार्य संदीप त्यागी, सरन घई, गोपाल बघेल 'मधु', हरजिंदर सिंह

भसीन, सुरेन्द्र पाठक, पाराशर गौड़, स. स. सूरी, राज माहेश्वरी, ललित पश्रिचा, परिपूर्ण आनन्द, योगेश मामगेन जी, इत्यादि । प्रमुख कवयित्रियाँ थीं सर्व श्रीमती श्यामा सिंह, सविता अग्रवाल, प्रमिला भार्गव, सुधा मिश्र, डॉ. रेणुका शर्मा, कृष्णा वर्मा, राज कश्यप, उषा बधवार, वनीता सेठ जी, इत्यादि ।

श्रोतागणों में प्रमुख थे सर्वश्री सेवक सिंह, चन्द्रा सिंह, नरेन्द्र सक्सेना, संजीव अग्रवाल, कमल आहूजा, सुधीर जी- ए टी एन, आ. परिनिर्वाणानन्द जी एवं सर्व श्रीमती श्याम त्रिपाठी, भारतेंदु श्रीवास्तव, प्रेम सागर कालिया, उषा वधवार जी के ७ परिजन, प्रज्ञा बघेल, सेवक सिंह, प्रिया आहूजा, आशा मिश्र, श्रीमती सरन घई, टोरोंटो पब्लिक लाइब्रेरी के सदस्य व प्रेक्षक गण, आदि ।

आ. परिनिर्वाणानन्द ने श्री श्री प्रभात रंजन सरकार द्वारा रचित ५०१८ प्रभात संगीत में से 'मुसाफिर आगे बढते जाना' नामक 'प्रभात संगीत' प्रस्तुत कर आध्यात्मिक तरंग बिखेरी ।

भारतीय कौंसलावास से श्री रणजीत सिंह जी ने सभा को संबोधित किया व भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र की संस्थापना के विषय में बताया ।

डॉ. दाऊजी गुप्त ने कनाडा की अपनी ३० - ४० वर्ष पूर्व की यात्राओं की विस्तृत चर्चा कर हिन्दी के विकास व इतिहास का अनूठा दृश्य प्रस्तुत किया और अधिकाँश श्रोताओं की इच्छा रही कि वे इस विषय में अगली बार और अधिक बतावें ।

संस्था द्वारा सर्व प्रथम सभी आगन्तुकों को स्वादिष्ट सात्विक शाकाहारी भोजन कराया गया जिसकी सबने भूरि- भूरि प्रशंसा की ।

इस अवसर पर अखिल विश्व हिन्दी समिति द्वारा प्रकाशित मासिक 'अखिल विश्व ई - पत्रिका' के प्रथम अंक का उद्घाटन व अनावरण डॉ. दाऊजी गुप्त, श्री सागर पंडित, डॉ. भारतेंदु श्रीवास्तव व डॉ. देवेन्द्र मिश्र ने किया । इस ई- पत्रिका का सम्पादन श्री गोपाल बघेल अन्य साहित्यकारों के सहयोग द्वारा कर रहे हैं ।

श्री गोपाल बघेल ने बताया कि अखिल विश्व हिन्दी समिति और वॉन पब्लिक लाइब्रेरी परस्पर सहयोग द्वारा वुडब्रिज पब्लिक लाइब्रेरी में २९ सितम्बर, २०१३ रविवार से प्रति माह अंतिम रविवार को सायं १ से ४ बजे तक एक कवि गोष्ठी का नियमित आयोजन करने जा रहे हैं जो कवि जनों व श्रोताओं के लिये खुश खबरी है ।

ए टी एन - टेलीविजन द्वारा कार्यक्रम का रिकॉर्डिंग किया गया । श्री सेवक सिंह व श्री चन्द्रा सिंह ने कार्यक्रम के चित्र लिये । आ. संदीप त्यागी ने ध्वनि - यंत्र की व्यवस्था की । ब्राम्पटन से गर्म- गर्म भोजन लेकर आने का सहयोग श्री सेवक सिंह जी का था । यू- ट्यूव पर चल- चित्र श्री गोपाल बघेल व श्री चन्द्रा सिंह ने प्रकाशित किये हैं । 'हिन्दी अब्रोड', 'विश्व हिन्दी संस्थान की 'प्रयास ई- पत्रिका', इत्यादि ने कार्यक्रम की पूर्व सूचना अपने पत्र पत्रिकाओं द्वारा जन मानस को दी ।

भारत के ८ कवि वीसा समय पर न मिलने के कारण सम्मिलित नहीं हो पाये व कनाडा से भी ८ कवि व्यक्तिगत व स्वास्थ्य कारणों से उत्कट इच्छा होते हुए भी नहीं आ पाये पर हृदय भाव से वे साथ रहे व कई कविताएँ भी भेजीं जो 'अखिल विश्व ई- पत्रिका' में छपी हैं व छपेंगी ।

कार्यक्रम में हिन्दी साहित्य सभा, हिन्दी राइटर्स गिल्ड, विश्व हिन्दी संस्थान, हिन्दी प्रचारिणी सभा, अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी समिति - भारत व सं रा अमरीका, नारायणी साहित्य सभा अकादमी - भारत, अखिल विश्व हिन्दी समिति - भारत व सं रा अमरीका, इत्यादि संस्थाओं के भरपूर सहयोग की हृदय से सराहना की गयी । सभी कवि व श्रोता गणों एवं अतिथियों के तन- मन - धन व हृदय से किये परोक्ष- अपरोक्ष सहयोग के लिये आभार प्रकट किया गया ।

अन्त में हिन्दी साहित्य की सेवा के लिये 'साहित्य सम्मान पत्र' दिये गये व सभी कवियों, कवयित्रियों, श्रोताओं व सहयोगियों को साधुवाद दिया गया । यू ट्यूव, दूरदर्शन, चित्र, पत्र- पत्रिकाएँ, इत्यादि इस सम्मेलन के आनन्द को संजोये रखेंगे ।

चल चित्रों, ई-पत्रिका, चित्रों एवं अन्य जानकारी के लिये www.AkhilVishvaHindiSamiti.com देखें व info@AkhilVishvaHindiSamiti.com या 001-416-505-8873 पर सम्पर्क करें ।

गोपाल बघेल
डॉ. रेणुका शर्मा